राइज़ कॉन्सल्टेशन – आम्स्टेर्डम – जून 2019
हर मसीही को बुलाहट

परमेश्वर के कार्यो में मसीही महिलाओं का योगदान की जश्न मनाने के लिए हम साठ अंतर राष्ट्रिय महिला अगुवे जून 2019, को आम्स्टेर्डम में **राइज़ इन स्ट्रेंथ कॉन्सल्टेशन** में मिले।

हम अलग अलग पृष्ठभूमियों से एकत्रित हुए, ये जानने के लिए कि बदलते दौर में हम स्यं को कहाँ देखते।

हम इस धारणा के साथ एक जुट है कि लिंग भेद हमेशा कलीसिया की प्रभावकारी गवाही को कम करता है और सुसमाचार की परिवर्तनकारी सामर्थ को घटाता है और ये लगातार एक बाधा के रूप में कार्य करता है।

हम दावा करते हैं कि मसीह इसलिए आया कि हम जीवन पाएँ और बहुतयात का जीवन पाएँ। यह सुसमाचार जीवनों को परिवर्तन करता है और बाईबल ये दावा करती है कि यीशु ने बुलाया, ग्रहण किया, चंगा किया और महिलाओं का मेल मिलाप किया। हम यही सुसमाचार को बांटने और अपने जीवन में प्रदर्शन करने के लिए समर्पित है कि स्त्री व पुरुष निरंतर परमेश्वर के अनुग्रह से और पवित्र आत्मा की सामर्थ से जीने के लिए बाध्य होंगे।

हम ***लौसाने मूवमेंट्स*** कैप टाउन प्रतिबद्धता के परमार्थिक दृष्टिकोण के साथ सहमत है और इसे सभी मसीहों के लिए बुलाहट की नींव मानते है :

"कि सभी स्त्री व पुरुष, विवाहित व अविवाहित परमेश्वर के वरदानों को दूसरों की भलाई के लिए और मसीही की स्तुति और महिमा के लिए इस्तमाल करें क्योंकि हम परमेश्वर के अनुग्रह के भण्डारी हैं।

हम परमेश्वर के लोगों को सक्षम बनाने और परमेश्वर द्वारा उन्हें दिये गए वरदान को इस्तेमाल करने के लिए जिम्मेदार हैं ताकि जिस सेवकाई के लिए परमेश्वर ने कलीसिया को बुलाया है उसे वे पूरा कर सके।"

© 2019 by Call to All Christians, all rights reserved

हम मानते हैं कि इन बाइबल आधारित नींव पर बढ़ना हमारी जागरूकता को बढ़ावा देगा, हमें और सचेत करेगा, और सभी लोगो के लिए परमेश्वर की इच्छा को स्थापित करने के लिए एक विशेष कार्य के प्रति हमे प्रतिबद्द करेगा।

जागरूकता

हम ये मानते हैं कि हमारा समाज और अगुवों का ढाँचा अधिकतर महिलाओं व लड़कियों के प्रति उत्साहित, स्वतंत्रता और सुरक्षा भी नहीं देता जब कि परमेश्वर उन्हें भी मूल्यवान समझता है और प्रेम करता है।

हम स्वीकार करते हैं कि महिलाओं को विश्वस्तर की कलीसिया में अगुवाई की सेवा देना सीमित है, और ये कइयों को कलीसिया में अपने योगदान देने से रोकता है।

हम स्वीकार करते हैं कि कलीसिया ने महिलाओं और लड़कियों को बहुत दुख पहुँचाता है और उनकी दर्द को अनसुना और अनदेखी किया है।

हम ये स्वीकार करते हैं कि महिलाओं के प्रति हिंसा किसी भी रूप में कलीसिया के बाहर ही नहीं भीतर भी होती है।

सावधानियां

हम स्वीकार करते हैं कि विश्वस्तर की कलीसिया अपने समाज में अक्सर महिलाओं की आवाज़ को अनसुना किया है।

हम समर्पित होते हैं कि उनके आवाज़, उनके अनुभव, उनके दृष्टिकोण, उनकी खुशियां और उनकी दुख को सुनने के लिए।

हम समर्पित होते हैं कि उन महिलओं व लड़कियों के प्रति हम सचेत रहेगें जो संसार में सबसे असुरक्षित समुदाय से है, विशेष तौर पर जो बहुत ही गरीबी में हैं और जो विकलां हैं , जो मानव तस्करी के खतरे में हैं, जो अपने विश्वाश के कारण सताई जाती हैं, जो शिक्षा से और अपने कानूनी अधिकार से वंचित हैं इसकारण वे लिंग भेद, हिंसा और पक्षपात के बड़े खतरे में है।

© 2019 by Call to All Christians, all rights reserved

हम समर्पित होते हैं कि सभी महिलाओं और लड़कियों के आत्मिक वरदानों की पहचान करेंगे ताकि उन संसाधनों को जो परमेश्वर ने कलीसिया की सामर्थ और स्वस्थ के लिए दिया है वह समाज के हर एक क्षेत्र मे कार्यवाही हो सके।

कार्यवाही

हम सब को कार्यवाई करने की जरूरत है :

हम सब को एक सकारात्मक बातचीत में शामिल होना है, जो भूल हमने की है और दुख दिया है उसके लिए हमें पश्चाताप करना है और मेल-मिलाप की ओर काम करना है ; यह विश्वास करना है कि हमारे समाज में महिलाओं, लड़कियों, लड़कों व पुरुष को मसीही में सशक्त करना हमारा पहला कदम होगा।
महिलाओं के बल, साहस व वरदानों और कार्यों के लिए विश्व की कलीसिया में **जश्न मानाना** चाहिए।

हमें एक साथ मिलकर कार्य करना होगा और उन मुद्दों को संवोधित करना होगा जो विशेषतौर पर उन महिलाओं के लिए जो असुरक्षित है, जो बहुत गरीबी में रहती हैं और जो अपने विश्वास के कारण सताई जाती हैं।

स्थानीय कलीसिया और विश्व की कलीसिया को सामर्थी, परिपक्य और प्रौढ़ बनाने के लिए हमें
अपनें वरदानों और अवसरों को **अर्पित करना** चाहिए।

स्त्री व पुरूष को समान कार्य के अवसर देने के लिए **हम समर्पित हैं** ।

महिलाओं, युवतीयों को कलीसिया में, समाज में अगुवाई करने के लिए प्रशिक्षित करें और नए तरीके से **तैयार करें** ।
हम विश्व की कलीसियाओं से महिला व पुरुष को **बुलाते हैं** ताकि महिला, पुरुष, युवा, लड़कियों, सभी अपने आत्मिक वरदानों को कलीसिया के कार्यों को सशक्त करने के लिए और परमेश्वर की महिमा के लिए इस्तमाल करें।

© 2019 by Call to All Christians, all rights reserved